|| श्री महावीराय नम : ||

श्री ग्रेटर बोम्बे वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ

संचालित

मातुश्री मणिबेन मणशी भीमशी छाडवा धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : www.jainshikshan.org **E mail :** jainshikshanboard@gmail.com

१३ जुलाई २०२५ **महिला मंडल** **कुल गुण : १००**

सूचना : १) जिस प्रकार सवाल पूछा गया हो उस प्रकार जवाब लिखने हैं। वार्ता एवं थोकडे के लंबे जवाब लिखने नहि हैं।

२) आप के जवाब पेपर में आपने ओपन बुक दी है कि रेग्युलर यह खास लिखना हैं। जिसने नहीं लिखा रहेगा यदि उसका नंबर आएगा फिर भी नंबर नहीं दिया जाएगा।

श्रेणी २

STUDENT NAME		ROLL NO.	
DATE OF BIRTH		MOBILE NO.	
OPEN /REGULAR		WRITER	
SANGH NAME		SUPARVISOR NAME	
MAHILA MANDAL		TOTAL MARKS	

(४०)

प्र. १ सामायिक-प्रतिक्रमण के आधार पर लिखिए।

(१) निम्नलिखित पाठों की पूर्ति कीजिए। (नीचेना पाठनी पूर्ति करो।) **(१२)**

१. न पालियं ..... आणाए

२. कित्तिय ..... सिद्धा

३. ओसा ..... मक्कडा

४. सयं ..... पुंडरियाणं

५. मयल ..... मपुणाराविति

६. सामाइयं ..... दुविहं

(२) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए। (नीचेना शब्दोना अर्थ लखो।) **(८)**

१. चंदेसु ..... २. धम्म सारहीणं .....

३. न फासियं ..... ४. पहीण जरमरणा .....

५. अप्पाणं ..... ६. मुत्ताणं .....

७. वंदे ..... ८. संकामिया .....

(३) निम्नलिखित शब्दों के मूल पाठ (मागधी शब्द) लिखिए। (नीचेना शब्दोनुं मागधी लखो।) **(८)**

१. अधिक ..... २. जिनेश्वर देव .....

३. स्तुति करती हूं ..... ४. धर्म चक्रवर्ती रूप .....

५. क्षय रहित ..... ६. पांच अतिचार .....

७. पुरुषो में श्रेष्ठ पुंडरिक कमल समान .....

८. जब तक इस नियम की (ज्यां सुधी मारा नियमनी) .....

(४) निम्नलिखित प्रश्नो के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर मांग्या प्रमाणे लखो।) **(६)**

१. सामायिक द्वारा किन श्रावकधर्म का पालन होता है? (सामायिकमां कया श्रावकधर्मनुं पालन थाय छे?)

.....

२. सभी प्रवृत्ति के मूल में क्या होता है? (सर्व प्रवृत्तिना मूलमां शुं छे?)

.....

३. श्रावक को अनुमोदना की प्रतिज्ञा क्युं नहीं होती है? (श्रावकने शा माटे अनुमोदनानी छूट होय छे?)

.....

४. तीर्थ किसका आलंबन होता है? (तीर्थ शेनुं आलंबन छे?)

.....

५. पच्चक्खाण के माध्यम से किसका अभ्यास किया जाता है? (पच्चक्खाण द्वारा शेनो अभ्यास थाय छे?)

.....

६. सागर में क्या आती रहती है? दों शब्दों में लिखिए। (सागरमां शुं आवे छे? बे शब्दमां लखो।)

.....

(५) मुजे पहचानो मैं कौन? (मने ओळखो।) **(६)**

१. मेरा दूसरा नाम उत्कीर्तन सूत्र है। (मारुं बीजुं नाम उत्कीतन सूत्र छे। .....

२. तीसरा नमोत्थुणं हमें करना है। (त्रीजुं नमोत्थुणं अमने करवानुं छे।) .....

३. मेरा आसन अप्रमत्तदशा का सूचक है। (मारुं आसन अप्रमत्तदशानुं सूचक छे।) .....

४. हम ज्ञानरूपी नेत्र देते है। (अमे ज्ञानरूपी चक्षु आपीए छीए।) .....

५. हमारी साधना आत्म साधना है। (अमारी साधना आत्म साधना छे।) .....

६. हमनें चार घाती कर्मों का क्षय किया है। (अमे चार घाती कर्मोंनो क्षय कर्यो छे।) .....

(२०)

प्र. २ सामान्य समझ विभाग के आधार पर लिखिए। (सामान्य समजण विभागना आधारे लखो।)

(१) निम्नलिखित प्रश्नो के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर मांग्या प्रमाणे लखो।) **(८)**

१. वर्तमान तीर्थंकर १७, ७ और ११ .....

.....

२. अभिगम ४ और १ .....

३. तत्त्व ३, ४ और ९ .....

.....

(२) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक शब्द में लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर एक शब्दमां लखो।) **(८)**

१. अभिगम का आगमिक शब्द क्या है? (अभिगम एटले शुं?) .....

२. किसका नाम स्मरण करना है? (कोनुं नाम स्मरण करवानुं छे?) .....

३. क्या लेने का भाव रखना है? (शुं लेवाना भाव राखवाना छे?) .....

४. पांचवी गति कौन सी है? (पांचमी गति कई छे?) .....

५. अनमोल क्या है? (अमूल्य शुं छे?) .....

६. मोह के कारण मेंढक कौन बनता है? (आसक्तिना कारणे देडको कोण बने छे?) .....

७. किस में सुख बहुत ज्यादा है? (शेमां सुख पारावार छे?) .....

८. विनयपूर्वक हाथ जोडना कौन सी पर्युपासना है? (विनयथी हाथ जोडवा कई पर्युपासना छे?) .....

(३) जोडी बनाओ। (जोडका जोडो।) **(४)**

(अ)	(ब)	जवाब
१. मनुष्य गति	१. दुर्लभ	.....
२. दोष का कारण	२. सचेत	.....
३. मानव भव	३. सचेत का त्याग	.....
४. भाजी का त्याग	४. सुख और दु:ख	.....

(१५)

प्र. ३ तत्त्व/संस्कार विभाग के आधार पर लिखिए। (तत्त्व/संस्कार विभागना आधारे लखो।)

(१) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (खाली जग्या पूरो।) **(१०)**

१. पक्ष ..... और ..... है। (पक्ष ..... अने ..... छे। .....

२. केक ....., ..., ... जैसी ..... सामग्री से बनती है। .....

(केक ....., ..., ... जेवा ..... सामग्रीथी बने छे।)

३. आत्मा को ..... द्वारा नहीं देखा जा सकता। आत्मा ..... का भोक्ता है। .....

(आत्माने ..... वडे जोई शकातो नथी। आत्मा ..... नो भोक्ता छे।)

४. ..... की गणना चंद्र ..... अनुसार की जाती है। .....

(..... नी गणतरी चंद्र ..... अनुसार थाय छे।)

५. सिद्धांत के अनुसार हमें अपनी ....., ... और ..... को बनाए रखना चाहिए।

(सिद्धांतो प्रमाणे आपणा ....., ... अने ..... राखी आत्मानुं कल्याण करी लेवुं।)

.....

६. मैं ..... से भिन्न ..... स्वरुप आत्मा हूं। (हुं ..... थी भिन्न ..... स्वरुप आत्मा छुं.)

.....

७. ..... धर्म में ..... बचने के लिए कई ..... बताए गए है। .....

(..... थी बचवा माटे घणा ....., ... धर्ममां बताव्या छे।

८. आत्मा का गुण ..... और ..... करना है। .....

(आत्मानो गुण ..... अने ..... पामवानो छे।

(२) अयोग्य विकल्प चुनें। (अयोग्य विकल्प पर टीक करो।) **(५)**

१. तिथि के दिन किसका त्याग करना चाहिए? को(तिथिना दिवसे शेनो त्याग करवो जोइए?) (नाटक, कठोल, सिनेमा)

२. आत्मा के गुण कौन से है? (आत्माना गुण कया छे?) (जड, ज्ञान, चैतन्य)

३. जैन धर्म कैसा है? (जैन धर्म केवो छे?) (नित्य, न्याययुक्त, श्रेष्ठ)

४. जन्मदिवस के दिन क्या करना चाहिए? (जन्मदिवसे शुं करवुं जोईअे?) (स्वाध्याय, पीकनीक, गुरुदर्शन)

५. तिथि के दिन किस प्रकार रहना चाहिए? (तिथिना दिवसे केवा रहेवुं जोइए?) (सतर्क, सावधान, जागृत)

(५)

प्र. ४ धर्म और विज्ञान के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर एक वाक्यमां लखो।)

१. अनेकांतवाद कौन सी कला सिखाता है? (अनेकांतवाद कई कला शीखवे छे?)

.....

२. जैन धर्म के मुख्य सिद्धांत कौन से है? (जैन धर्मना मुख्य सिद्धांत कया छे?)

.....

३. द्रव्य हिंसा के कारण मन कैसा बन जाता है? (द्रव्य हिंसाने कारणे आपणुं मन केवुं बने छे?)

.....

४. भगवानने किस हिंसा में ज्यादा पाप बताया है? एक शब्द में लिखिए। .....

(परमात्माए कई हिंसामां वधारे पाप बताव्युं छे?)

५. अपरिग्रह का सिद्धांत किस का बोध देता है? (अपरिग्रहनो सिद्धांत शेनो बोध आपे छे?

.....

(१०)

प्र. ५ वार्ता के आधार पर निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत? गलत को सुधारो।

(नीचेना वाक्यो साचा छे के खोटा? खोटा होय ते सुधारीने लखो।)

१. परिषह में जो प्रसन्न रहे वह सच्चा वारसदार है। (परिषहमां जे प्रसन्न रहे ते साचो वारसदार छे।)

.....

२. किसी भी परिस्थिति में भाव शुद्ध रखे वह सच्चा उत्तराधिकारी है ।

(गमे तेवी परिस्थितिमां पण पोताना भाव शुद्ध राखे ते साचो वारसदार छे।

.....

३. वृद्ध कृष्ण वासुदेव से असंतुष्ट हुआ। (वृद्धे कृष्ण वासुदेवनो अपकार मान्यो।)

.....

४. मेरुप्रभ हाथी को अवधिज्ञान हुआ। (मेरुप्रभ हाथीने अवधिज्ञान थयुं।)

.....

५. इस हाथ देना इस हाथ लेना यह संसार का नियम है । (दुनियानो नियम आ हाथे लेवुं अने आ हाथे देवुं छे।)

.....

६. श्रेणिक के बडे भाई का नाम अभयकुमार था । (श्रेणिकना मोटा भाईनुं नाम अभयकुमार हतुं।)

.....

७. अभिमान करने से मरिचीने नीच गोत्र कर्म का बंध किया। (अभिमान करवाथी मरिचीए नीच गोत्र कर्म बांध्युं।)

.....

८. प्रभु की वाणी चिंतामणि से भी उत्तम है । (प्रभुनी वाणी चिंतामणिथी पण चढियाती छे?)

.....

९. देवताओं की आंखो की पलक कभी नहीं झपकती। (देवताओनी आंखोनी पलक क्यारेय झपके नहीं)

.....

१०. जगत के सभी जीव मेरे जीव के समान है । (जगतना सर्व जीव मारा जीव समान छे।)

.....

प्र. ६ काव्य विभाग के आधार पर नीचे दी गई कविता पूरी करे। (नीचेना काव्यनी पूर्ति करो।) (३×२)

१. रसा .....

.....

.....

आहार...रात्रि।

२. वेर .....

.....

.....

.....

बढना है (भरवुं छे)।

३. विस .....

.....

.....

उवसामं।

४. निर्ग्रंथ .....

.....

.....

संस्कारी।

जय जिनेन्द्र

❋ PLEASE CONATACT DSB HELPLINE NO. 9702277914 FOR FREE ONLINE SHRENI CLASSES.
❋ NEXT CLASS STARTS AUGUST 4TH/5TH MONDAY AND TUESDAY.
❋ TO JOIN OUR TELEGRAM GROUP. CONTACT DSB HELPLINE NO. 9702277914.
❋ FOR BOOKS AND EXAM REGISTRATION.